PRINCE ACADEMY
OF HIGHER EDUCATION
[Co-edu. Sr. Sec. School, Affiliated to CBSE, Affiliation No. - 1730387]

Palwas Road, Near Jaipur - Bikaner Bypass Crossing, SIKAR - 332001 (Raj.) INDIA
Mob. : 9610-75-2222, 9610-76-2222
www.princeeduhub.com | E-mail : princeacademy31@gmail.com

BOARD SAMPLE PAPER - III (2025-26)

TIME : 3:00 Hours

SUBJECT : HINDI
CLASS - XII ARTS

M.M. : 80

सामान्य निर्देश:

- निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका पालन कीजिए:
- यह प्रश्न–पत्र तीन खण्ड़ों में विभाजित है।
- खंड–क में अपठित बोध पर आधारित प्रश्न पूछे गए हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है
- खंड–ख में पाठयपुस्तक अभिव्यक्ति और माध्यम से प्रश्न पूछे गए हैं। प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं।
- खंड–ग में पाठयपुस्तक आरोह तथा वितान से प्रश्न पूछे गए हैं। प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं।
- तीनों खंड़ों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
- यथासंभव तीनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर क्रमशः लिखिए।

खण्ड–अ (अपठित बोध)

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए– 10

बीसवीं शताब्दी में भारत ने ब्रिटिश साम्राज्यवादी–उपनिवेशवादी व्यवस्था को अपने ऊपर से उतार फेंका। महात्मा गांधी की प्रेरणा से भारतीय जनता ने एक नए ढंग का संघर्ष कर अपनी स्वाधीनता प्राप्त की। गांधीजी ने राजनीतिक संघर्ष के साथ–साथ सामाजिक और सांस्कृतिक व्यवस्था के विरूद्ध संघर्ष को भी स्वाधीनता संग्राम से जोड़ दिया। उनके लिए राजनैतिक और प्रशासनिक भेदभाव के खिलाफ लडना जितना महत्वपूर्ण था उतना ही महत्वपूर्ण था सामाजिक और धार्मिक ढाँचे के भीतर के भेदभाव के विरूद्ध खड़ा होना। अपनी आत्मकथा में गांधीजी लिखते हैं– ''ऐसे व्यापक सत्यनारायण के प्रत्यक्ष दर्शन के लिए प्राणीमात्र के प्रति आत्मवत (अपने समान) प्रेम की भारी जरूरत है। इस सत्य को पाने की इच्छा करने वाला मनुष्य जीवन के एक भी क्षेत्र से बाहर नहीं रह सकता। यही कारण हैं कि मेरी सत्यपूजा मुझे राजनैतिक क्षेत्र में घसीट ले गई। जो कहते है कि राजनीति से धर्म को कोई सम्बन्ध नहीं है, मैं निस्संकोच होकर कहाता हूँ कि ये धर्म को नहीं जानते और मेरा विश्वास है कि यह बात जरूर सुननी चाहिए। अपने इसी विश्वास के कारण गांधीजी ने सामाजिक और धार्मिक ढाँचे के भीतर समानता के संघर्ष को प्रमुखता से आगे बढ़ाया क्योंकि वे जानते थे कि केवल राजनीतिक मुक्ति से उनके सपनों का भारत नहीं बनेगा। उनका मानना था कि करोड़ों वंचितों की सामाजिक–आर्थिक मुक्ति ही स्वाधीन भारत की पहचान होनी चाहिए।

(i) गांधीजी ने किस प्रकार का संघर्ष कर भारत को स्वाधीनता दिलाई? 1

(अ) संशस्त्र संघर्ष (ब) हिंसक संघर्ष (स) अहिंसक संघर्ष (द) सामरिक संघर्ष

(ii) गांधीजी के लिए किसके विरूद्ध खड़ा होना महत्वपूर्ण था? 1

(अ) विदेशी शासन के (ब) सामाजिक और धार्मिक भेदभाव के

(स) आर्थिक असमानता के (द) सांस्कृतिक विरासत के

(iii) निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए– 1

(i) गांधीजी ने स्वाधीनता संग्राम में सामाजिक और सांस्कृतिक भेदभाव के खिलाफ संघर्ष को भी शामिल किया।

(ii) गांधीजी का मानना था कि केवल राजनीतिक मुक्ति ही भारत की समग्र मुक्ति है।

(iii) गांधीजी का विश्वास था कि राजनीति को धर्म से अलग नहीं किया जा सकता।
(iv) गांधीजी ने स्वाधीन भारत की पहचान को आर्थिक उन्नति तक सीमित माना।
गद्यांश के अनुसार कौन–सा/से कथन सही हैं?
(अ) केवल कथन (i) और (iii) सही हैं। (ब) केवल कथन (ii), (iii) और (iv) सही हैं।
(स) केवल कथन (i), (iii) और (iv) सही हैं। (द) केवल कथन (ii) और (iv) सही हैं।

(iv) गांधीजी ने राजनीति के साथ किसका संघर्ष भी स्वाधीनता संग्राम से जोड़ दिया? 1

(v) गांधीजी के अनुसार स्वाधीन भारत की पहचान क्या होनी चाहिए? 2

(vi) गांधीजी के अनुसार राजनीति और धर्म के बीच क्या संबंध है? 2

(vii) गांधीजी ने सामाजिक और धार्मिक ढाँचे के भीतर समानता के संघर्ष को क्यों प्रमुखता से आगे बढ़ाया ? 2

2. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए– 8

जाग रहे हम वीर जवान,
जियो, जियो ऐ हिंदुस्तान।
हम प्रभात की नई किरण हैं, हम दिन के आलोक नवल,
हम नवीन भारत के सैनिक, धीर, वीर, गंभीर, अचल।
हम प्रहरी ऊँचे हिमाद्री के, सुरभि स्वर्ग की लेते हैं,
हम है शांति–दूत धरणी के, छाँह सभी को देते है।
वीरप्रसू माँ की आँखों के, हम नवीन उजियाले हैं,
गंगा, यमुना, हिंद महासागार के हम ही रखवाले हैं।
तन, मन, धन, तुम पर कुरबान
जियों, जियो ऐ हिंदुस्तान।
हम सपूत उनके, जो नर थे, अनल और मधु के मिश्रण,
जिनमें नर का तेज प्रखर था, भीतर था नारी का मन।
एक नयन संजीवन जिनका, एक नयन का हलाहल
जितना कठिन खड्ग था कर में उतना ही अंतर कोमल।
थर–थर तीनों लोक काँपते थे जिनकी ललकारों पर,
स्वर्ग नाचता था रण में जिनकी पवित्र तलवारों पर।
हम उन वीरों की संतान, जियो, जियो ऐ हिंदुस्तान।

(i) निम्नलिखित काव्यांश के आधार पर, भारतीय सैनिकों के बारे में क्या कहा गया है? 1
कथन I : वे केवल शांति के प्रतीक हैं।
कथन II : वे वीरता, धैर्य और गंभीरता के प्रतीक है।
कथन III : वे केवल युद्ध में भाग लेते हैं।
कथन IV : वे देश की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति देने के लिए तैयार हैं।
(अ) कथन II और IV सही हैं। (ब) कथन I और III सही हैं।
(स) केवल कथन IV सही हैं। (द) कथन II और III सही है।

(ii) 'हम प्रहरी ऊँचे हिमाद्री के' पंक्ति में 'हिमाद्री' का तात्पर्य है? 1
(अ) पर्वतों की रक्षा करने वाले (ब) समुद्र के रक्षक
(स) नदी के रक्षक (द) मैदानों के रक्षक

(iii) नीचे दिए गए कॉलम 1 को कॉलम 2 से सुमेलित करें और सही विकल्प का चयन करें: 1

कॉलम I	कॉलम I
I. भारतीय सैनिकों की विशेषता	1. शांति, वीरता, धैर्य।
II. वे किसे अपनी प्रेरणा मानते हैं?	2. स्वर्ग और पृथ्वी के संयोग।
III. भारतीय सैनिकों की प्रेरणा स्त्रोत	3. वीरों की संतान होना।

(अ) I-1, II-3, III-2 (ब) I-3, II-1, III-2 (स) I-2, II-3, III-1 (द) I-1, II-2, III-3

(iv) 'थर–थर तीनों काँपते थे जिनकी ललकारों पर' का क्या तात्पर्य अर्थ है? 1

(v) कविता में 'हम नवीन उजियाले हैं, पंक्ति से कवि का क्या 2

(vi) 'हम उन वीरों की संतान' पंक्ति में कवि किस पर गर्व कर रहे हैं? 2

खण्ड–ख (अभिव्यक्ति और माध्यम पाठयपुस्तक के आधार पर)

3. दिए गए तीन विषयों में से किसी एक विषय पर आधारित लगभग 120 शब्दों में रचनात्मक लेखन लिखिए। 6

(क) भूकंप का वह दिन विषय पर रचनात्मक लेख लिखिए।

(ख) लोकतंत्र में चुनावों का महत्व विषय पर अनुच्छेद लिखिए।

(ग) शिक्षक दिवस पर कैसे हुआ ? शिक्षकों का सम्मान विषय पर रचनात्मक लेख लिखिए।

4. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़िए और किन्हीं 4 प्रश्नों के उत्तर 40 शब्दों में लिखिए। 2×4=8

(क) 'नाटक स्वयं में एक जीवंत माध्यम है।' इस कथन के आलोक में नाटक में स्वीकार तथा अस्वीकार की अवधारणा पर प्रकाश डालिए।

(ख) मुद्रित माध्यमों में लेखक को जगह (स्पेस) का ध्यान क्यों रखना चाहिए?

(ग) अखबार के संपादकीय पृष्ठ पर प्रकाशित किए गए लेख का वर्णन कीजिए।

(घ) रेडियो नाटक के लिए कहानी का चयन कैसे किया जाता है?

(ड.) टी. वी. खबरों के किन्हीं दो चरणों के बारे में समझाइए।

5. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़िए और किन्हीं 2 प्रश्नों के उत्तर लगभग 80 शब्दों में लिखिए। 4×2=8

(क) नाटक के तत्वों पर प्रकाश डालिए।

(ख) रेडियों समाचार लेखन की बुनियादी बातें कौन–सी है? उन्हें लिखिए।

(ग) 'चुनावी वायदे' विषय पर फीचर लेखन कीजिए।

खण्ड–ग (आरोह भाग–2 एवं वितान भाग–2 पाठयपुस्तकों के आधार पर)

6. निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनकर लिखिए। 1×5=5

छोटा–सा मेरा खेत चौकाना
कागज का एक पन्ना
कोई अंधड़ कहीं से आया
क्षका का बीज वहाँ से बोया गया

(i) कवि के अनुसार कागज का एक पन्ना किसकी तरह है?

(अ) छोटे चौकोर खेत की तरह (ब) नाव की तरह

(स) पतंग की तरह (द) गेंद की तरह

(ii) कागज के खेत में किसका बीज बोया गया?

(अ) क्षण का (ब) रण का (स) तन का (द) धन का

(iii) 'छोटा–सा मेरा खेत चौकोना' में कौन–सा भाव है?

(अ) रचना कार्य का (ब) खेती के कार्य का (स) गायन का (द) समानता का

(iv) कथन (A) कवि काव्य–रचना में प्रवृत्त होता है।
कथन (R) कृषि कार्यो से कवि ऊब चुका था।

(अ) कथन (A) सही है, किंतु कारण (R) गलत है।

(ब) कथन (A) गलत है, किंतु कारण (R) सही है।

(स) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही है तथा कारण (R), कथन (A), की व्याख्या करता है।

(द) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R), कथन (A), की सही व्याख्या करता है।

(v) 'कोई अंधड़ कहीं से आया' पंक्ति में 'अंधड.' शब्द किसके लिए प्रयुक्त हुआ है?

(अ) कवि के मन के भावों के लिए (ब) अनजान व्यक्ति के लिए

(स) विरोधी व्यक्ति के लिए (द) आँधी के लिए

7. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर दीजिये: 3×2=6

(क) व्याख्या करें–

शब्द के अंकुर फूटे,
पल्लव–पुष्पों से नमित हुआ विशेष।

(ख) राम कौशल्या के पुत्र थे लक्ष्मण सुमित्रा के। इस प्रकार वे परस्पर सहोदर (एक ही माँ के पेट से जन्मे) नहीं

थे। फिर, राम ने उन्हें लक्ष्य कर ऐसा क्यों कहा– मिलइ न जगत सहोदर भ्राता? इस पर विचार करें।
(ग) कविता के बहाने कविता के कवि को क्या आशंका है और क्यों?

8. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर दीजियेः 2×2=4
(क) सोचकर बताएँ कि पतंग के लिए सबसे हल्की और रंगीन चीज, सबसे पतल कागज, सबसे कमानी जैसे विशेषणों का प्रयोग क्यों किया है?
(ख) कैमरे में बंद अपाहिज कविता के प्रतिपाद्य के विषय में अपनी प्रतिक्रिया प्रस्तुत कीजिए।
(ग) विप्लव–रव से छोटे ही है शोभा पाते पंक्ति में विप्लव–रव से क्या तात्पर्य है? छोटे ही है, शोभा पाते ऐसा क्यों कहा गया है?

9. अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये – 5×1=5
इस प्रकार हम देखेते हैं कि श्रम विभाजन की दृष्टि से भी जाति–प्रथा गंभीर दोषों से युक्त है। जाति–प्रथा का श्रम विभाजन मनुष्य की इच्छा पर निर्भर नहीं रहता। मनुष्य की व्यक्तिगत भावना तथा व्यक्तिगत रूचि का इसमें कोई स्थान अथव महत्व नहीं रहता। 'पूर्व लेख' ही इसका आधार है। इस आधार पर हमें यह स्वीकार करना पड़ेगा कि आज के उद्योगों में गरीबी और उत्पीड़न इतनी बड़ी समस्या नहीं जितनी यह कि बहुत से लोग 'निर्धारित कार्य को 'अरूचि' के साथ केवल विवशतावश करते हैं। ऐसी स्थिति स्वभावतः मनुष्य को दुर्भावना से प्रस्त रहकर टालू काम करने और कम काम करने के लिए प्रेरित करती है। ऐसी स्थिति में जहाँ काम वालों का न दिल लगता हो न दिमाग, कोई कुशलता कैसे प्राप्त की जा सकती है। अतः यह निर्विवाद रूप से सिद्ध हो जाता है कि आर्थिक पहलू से भी जाति–प्रथा हानिकारक प्रथा है, क्योंकि यह मनुष्य की स्वाभाविक प्रेरणारूचि व आत्म–शक्ति को दबाकर उन्हें अस्वाभाविक नियमों में जकड़ कर निष्क्रिय बना देती है।

(i) श्रम विभाजन की दृष्टि से भी जाति–प्रथा किससे युक्त हैं?
(अ) सुखद परिणामों से (ब) गंभीर दोषों से
(स) सरल दोषों से (द) दुःखद दोषों से

(ii) जाति–प्रथा का श्रम विभाजन पर निर्भर नहीं रहता?
(अ) मनुष्य की स्वेच्छा पर (ब) मनुष्य की समझदारी पर
(स) मनुष्य की गलती पर (द) मनुष्य की शिक्षा पर

(iii) श्रम विभाजन पर मनुष्य की किस भावना का कोई महत्व नहीं रहता?
(अ) सामाजिक भावना (ब) राजनीतिक भावना
(स) भेदभावपूर्ण भावना (द) व्यक्तिगत भावना

(iv) किसी भी काम में कुशलता कब प्राप्त नहीं होती हैं?
(अ) जब तक समाज से सहायता प्राप्त नहीं होती
(ब) जब तक व्यक्ति का दिल और दिमाग काम नहीं करता
(स) जब तक व्यक्ति चिंताओं से नहीं घिरता है
(द) जब तक परिवार का सहयोग नहीं मिलता

10. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो उत्तर दीजियेः 3×2=6
(क) लुट्टन सिंह को राज–पहलवान की उपाधि कैसे मिली?
(ख) भक्तिन की सहजबुद्धि किस प्रकार विस्मित कर देने वाली है?
(ग) शिरिष के फूल पाठ में चर्चित अशोक वृक्ष की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

11. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर दीजिए। 2×2=4
(क) बाजार दर्शन पाठ से उद्धृत पंक्ति जहाँ तृष्णा है, बटोर रखने की स्पृहा है, वहाँ उस बल का बीज नहीं है। का आशय स्पष्ट कीजिए।
(ख) पानी दे, गुड़धानी दे मेघों से पानी के साथ–साथ गुड़धानी की माँग क्यों की जा रही हैं?
(ग) भीमराव आंबेडकर पाठ के आधार पर जातिवाद के पोषकों के समर्थन के आधार में क्या आपत्तिजनक हैं?

12. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर दीजिये 5×2=10
(क) क्या यशोधर बाबू को अतीत जीवी कहा जा सकता है? पक्ष या विपक्ष में उदाहरण सहित अपना उत्तर दीजिए।
(ख) वसंत पाटील कौन हैं? लेखक आनंद यादव ने उससे दोस्ती क्यों व कैसे की?
(ग) सिंधु–सभ्यता में नगर नियोजन से भी कहीं ज्यादा सौंदर्य–बोध के दर्शन होते हैं। अतीन में दबे पाँव पाठ में दिए तथ्यों के आधार पर जानकारी दीजिए।